

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-- अवड 3-- उपक्रवड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Rio 88 Ì

नई विल्ली, मंगलवार, फरवरी 8, 1972/माघ 19, 1893

No. 881

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 8, 1972/MAGHA 19, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिस ने कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 8th February 1972

S.O. 127(E).—In exercise of the powers conferred by section 109 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government, being of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby makes the following Order, namely:—

Every child of a certified goldsmith, who is not eligible to apply for the grant of a certificate under section 39 of the said Act, shall be exempted from the provisions of sub-section (1) of section 39 subject to the conditions that—

- (i) such child only assists such certified goldsmith to make, manufacture, repair or process any article or ornament, and
- (ii) the certified goldsmith gets the name of such child endorsed on his certificate.

[No. F. 143/9/71-GC. II. (1).]

बित म तलप

(राजस्य श्रीर बीमा विभाग)

प्रधिसूचन एं

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1972

का॰ प्रा॰ 127(प्र).—स्वर्ण (नियंत्रण) श्रिष्ठितियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 10) द्वारा प्रदन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, जिसकी यह राय है कि ऐसा करना जोकहित में श्रावश्यक श्रीर समीचीन है एतर्बारा निम्नलिखित श्रादेश करसी है, श्रर्थात:--

किसी प्रमाणित स्वर्णाकार की प्रत्येक ऐनी मंतात को, जो उक्त प्रधिनियम की धारा 39 काधीन प्रमाण-पत्र की मंजूरी के लए प्रावेदन करने के लिए गत्र नहीं हैं, धारा 39 की उपधारा (1) के उपवन्धों में छूट दी जाएगी, जो निम्नलिखित मार्नी के प्रधीन होगी कि

- (i) ऐसी संतान कोई वस्तु या धाभृषण बनाने, विनिर्भाण करने, मरम्मन करने या प्रसंस्करण करने में ऐसे प्रमाणित स्वर्णकार को केवल सहायता करे, धौर
- ্য়া) प्रमाणित स्वर्गकार ऐसी सत्तान का नाम श्रयने प्रमाणपत्र पर पुष्ठांकित कराले।

[सं० फा॰ 143/9/71-जी॰ सी॰ II(i)]

- **5.0.** 128(E).—In exercise of the powers conferred by section 114, read with clause (10) of sub-section (4) of section 39 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government hereby makes the following rules, to amend the Gold Control (Grant of Certificates) Rules, 1970, namely:—
- 1 Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Gold Eontrol (Grant of Certificates) Amendment Rules, 1972
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- After sub-rule (b) of rule 3 of the Gold Control (Grant of Certificates) Rules, 1970, the following sub-rule shall be inserted, namely:—
 - "(c) a person, not being a minor, who is the child of a certified goldsmith."

 [No. 143/9/71-GC II(ii).]

का० ग्रा० 128(ग्र). —स्वर्ण (नियत्रण) ग्रिधिनियम, 1968 (1968 का 45) की द्यारा 39 की उपधारा (4) के खण्ड (ङ) के माथ पाठेत, धारा 114 द्वारा प्रवत्त पाक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, स्वर्ण नियंत्रण (प्रमाणपत्न की मंजूरी) नियम, 1970 में मंजोधन करने के लिये एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, ग्रार्थात:—

- 1. सक्षिप्त नाम ग्रौर प्रारम्भ ---(1) इन नियमों का नाम स्वर्ग नियंत्रण (प्रमाणपक्ष की मंजरी) संशोधन नियम, 1972 होगा।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारी व को प्रकृत होंगे •
- 2 स्वर्ण नियंत्रण (प्रमाणपत्र की मंजूरी) नियम, 1970 के नियम 3 के उपनियम (ख) के पश्वात, निम्नलिकित उपनियम अन्त.स्थापित किया जाएगा, श्रयीत :—
 - "(ग) कोई व्यक्ति, जो प्रवयस्क नहीं है, और वह किसी प्रमाणित स्वर्णकार की संवान है।"

[१० फा० 143/9/71-जी०मी० II (ii)

S.O. 129(E).—In exercise of the powers conferred by section 109 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government, being of opinon that it is necessary and expedient in the public interest so to do, neceby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), No. S.O. 220, dated the 8th January, 1971, namely:—

In the said notification, for the words "three years", the words "five years" shall be substituted.

[No. 143/9/71-GC 11(iii).]

का॰ ग्रा॰ 129(ग्र).—स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 109 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, जिस की यह राय है कि ऐसा करना लोक हित में भावश्यक भार समीचीन है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व भीर बीमा विभाग) की तारीख 8 जनवरी, 1971 की श्रिधसूचना स॰ का॰ भ्रा॰ 220 में एतद्द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है, भ्रर्थातु :—

"उक्त श्रष्ठिसूचना में, "तीन वर्ष" शब्दों के स्थान पर, "पाच वर्ष" शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे ।"

S.O. 130(E).-In exercise of the powers conferred by section 109 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government, being of opinion that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby makes the following Order, namely:—

That a person referred to in clause (c) of sub-section (4) of section 39 of the said Act shall be exempted from the operation of the time limit specified in that clause if he makes an application on or before the 31st day of December, 1972, for the grant of a certificate referred to in sub-section (1) of the said section 39.

[No. F./143/9/71-GC. II(iv).] M. A. RANGASWAMY, Jt. Secy.

का० ग्रा० 130(ग्र).—स्वर्ण (नियत्रण)ग्रिधिनियम, 1968(1968 का 45) की धारा 109 द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मरकार, जिसकी यह राय है कि ऐसा करना लोक हित में आवश्यक भ्रीर सीमीचीन है, एतदुहारा निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात :—

उक्त श्रिधिनियम की धारा 39 की उपधारा (4) के खण्ड (ग) में निर्दिष्ट व्यक्ति को उस खण्ड में विनिर्दिष्ट समय की परिसीमा के प्रवंतन से छूट दी जाएगी यदि वह उक्त धारा 39 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट प्रमाणपत्र की मंजूरी के लिए, 31 दिसम्बर 1972 को या उसके पूर्व श्राबेदन करे।

[म॰ फा॰ 143/9/71—जी॰ सी॰ II (iv)] एम॰ ए॰ रंगास्वामी, संयुक्त सचिव।